>

Title: Regarding flood damage in Punjab.

श्री शेर सिंह घुबाया : अध्यक्ष महोदया, लोगों के साथ जो इतना अन्याय परमात्मा की तरफ से हुआ है, उस पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया है।...(व्यवधान) असल में मैं आज ही उस एरिया से आया हूं, वहां लोगों की हालत अगर आप जाकर देखें तो आपको पता चलेगा कि वे लोग कैसे जी रहे हैं। हमारा आधा पंजाब पानी में डूब चुका है। सतलुज, व्यास और रावी का जो पानी है,...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: This is not fair. You always get a chance. All of you always get a chance. This is not fair. Please sit down.

श्री शेर सिंह घुबाया : किसानों की फसल तबाह हो चुकी है। उसके अलावा लोगों के जो घर हैं, उसके आस-पास पांच-पांच, दस-दस फुट पानी है। उसमें कई लोग डूब चुके हैं, उनकी मौत हो चुकी है।...(व्यवधान) सरकार की तरफ से उनको कोई मदद नहीं मिल रही।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: घुबाया जी बोल रहे हैं, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शेर सिंह घुबाया : मैडम, जो लोग मरे हैं, हम चाहते हैं कि उन लोगों को पांच लाख रुपया मुआवजा दिया जाए। जिन किसानों की फसल तबाह हुई है, उनको काम शुरू करने के लिए दस हजार से ज्यादा खर्चा होता है। उनको 25-30 हजार से कम मुआवजा नहीं मिलना चाहिए, उससे ज्यादा मुआवजा केन्द्र सरकार की ओर से मिलना चाहिए, पैकेज मिलना चाहिए।

मैडम, मैं आपके माध्यम से यह विनती करना चाहता हूं कि आज वहां का जो माहौल है, वहां सभी तरफ दस-दस, 15-15 किलोमीटर में पानी भरा हुआ है। वहां सड़कें टूट चुकी हैं, स्कूलों की हालत खराब है। वहां स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई खत्म हो चुकी है। यहां प्रधान साहब बोल कर गए हैं कि केन्द्र सरकार ने पैसा दिया है, यह बिलकुल गलत है। केन्द्र सरकार की तरफ से एक भी पैसा फ्लड के लिए नहीं गया, ये कागजों में पड़ा है। उसको रिलीज़ करने का स्टेट को कोई अधिकार नहीं दिया कि ये पैसे रिलीज़ करा कर लोगों को बांट सकें। पंजाब के मुख्य मंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल साहब ने अपनी तरफ से दाल और आटा फ्लड वाले एरिये में बांटना शूरू किया है।...(व्यवधान) वहां लोगों की जो हालत है, लोगों के मकान गिर गए हैं।

मैडम, मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह विनती एवं मांग है कि उनके लिए केन्द्र सरकार कम से कम 50 हजार रुपए एक मकान का मुआवजा दे। स्टेट के पास इतना पैसा नहीं, इसलिए आप ज्यादा से ज्यादा रुपए पंजाब सरकार को भेजें। ...(व्यवधान) ताकि उससे वहां के लोगों की मरहम-पट्टी हो सके। ...(व्यवधान) पंजाब की ओर से जो डिमांड आई है, उसको अवश्य पूरा किया जाए। ...(व्यवधान) वहां पर जो सड़कें टूट गई हैं,...(व्यवधान) जो पुल बह गए हैं, उनकी केन्द्र सरकार जिम्मेदारी लेकर उनको पूरा कराए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया:

श्री महिन्दर सिंह केपी श्री शेर सिंह घुबाया द्वारा उठाए गए विषय से अपने को सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप क्या कहना चाहते हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): मैने जो मेटर उठाया है, उसका क्या हुआ?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: शून्य-काल में कुछ नहीं कर सकती। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: There is nothing I can do about a matter raised in the 'Zero Hour'. You all know about it.

आप सब जानते हैं कि शून्य-काल में आप लोग जो मेटर उठाते हैं, उसके बारे में मैं सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य नहीं कर सकती हूं। फिर आप मुझे कहे जा रहे हैं। सब जानते हैं, आप लोग सीनियर्स हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Do not indulge in an argument with the Chair.

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप लोग क्या कर रहे हैं? Nothing is going on record.

...(व्यवधान)*

श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद): मुझे शून्य-काल में बोलने का मौका नहीं दिया गया, इसलिए मैं सदन से वाक-आउट करता हूं।

12.33hrs

Shri Rewati Raman Singh and some other hon. Members then left the House.